(1)

BA-(H)
मैथिलीप्रतिष्ठा
पाठ्यचर्या
Lecture - 2

प्रो० संजीत कुमार राम
(आचार्य सहायक प्राध्यापक)
मैथिली विभाग
V.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (Bihar)

श्री काशीकान्त मिश्र 'मधुप' व्यक्तित्व :- कविचूड़ामणि

श्री काशीकान्त मिश्र 'मधुप' आधुनिक मैथिली काव्य साहित्यमे शीर्षस्थानीय छथि। की अबोध ग्राम-बालक मधुपिता अधरमे, की प्रत्येक नटुआक छन्द-पदु स्वरमे, की उपनयन-विवाहादिक संस्कार-बेलामे, की नाटक-रासलीला मेला-ठेलामे, ई महाकाव्य जेहने देल आहि अलंकारक पचार लगवामे, तेहने सिद्धहस्त छथि संस्कृतक शब्दके चमत्कारिक प्रयोग करबामे।

2 अक्टूबर 1906के आश्विनी पूर्णिमा दिन हिनक जन्म भेलनि। हिनक पैतृक मधुबनी जिलाक कोइलख थिकनि किन्तु ई बसि गेल छथि अपन मातृक दरभंगा जिलाक कोबुमे। ई संस्कृतक मेधावी छात्र छलाह, व्याकरण-साहित्याचार्य कयलक बाद बेलाशाहु कयलनि सन 1940 सँ 5 अप्रैल 77 धरि ज्यानन्द

उच्च विद्यालय, बहेड़ामे प्रधान पण्डितक पदपर कार्य कयलनि । एही जीविकामे रहैत अपन ते साहित्यक अतुलनीय सेवा करबो कयलनि, अपन लेखनीक अपरिहार्य कृतिकेँ ओतेकेँ बड़का साहित्यकार बना देलकनि।

मैथिलीक लोकप्रिय जनकविमे यदि युगाब्दक कविमे हिनक योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण अछि। जाहिया लोक सबहि भाषाकेँ हेय दृष्टिसँ देखैत छल। एहन साहित्यक प्रति लोकक अनुदार दृष्टिकोण छलैक, तहिया ई एकसँ एक सरल, सरस, सुन्दर, छोट-छोट गीत बनाकऽ अपन अलबेला गाबि गाबि वृद्ध-वृद्धा युवक-युवती, किशोर-किशोरी बालक-बालिकाक ठोरपर पहुँचा देलनि। विद्यापतिक बाद यैह एहन गायक जनिक गीत मैथिली कोनो आँगनमे, कोनो अवसरपर गाओल जाइत छल, मिथिलाक हरवाह-चरवाहि सबहि हिनक पाँती गुञ्जित होइत छल।

क्रमशः

Sanjit Kumar Raman